लिंग

व्याकरण में स्त्री या पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द को लिंग कहते हैं |

हिंदी में लिंग के दो भेद माने जाते हैं :-

1. **पुल्लिंग –**

जिन शब्दों से पुरुष जाति होने का ज्ञान हो, उसे पुल्लिंग कहते हैं |

जैसे – लड़का, सेठ, मोर, शेर आदि |

2. **स्त्रीलिंग –**

जिन शब्दों से स्त्री जाति होने का ज्ञान हो, उसे स्त्रीलिंग कहते हैं |

जैसे – लड़की, सेठानी, मोरनी, शेरनी आदि |

नोट – हिंदी भाषा में कई शब्द ऐसे भी हैं जो पुल्लिंग व स्त्रीलिंग दोनों रूप में अपरिवर्तित रहते हैं | इन शब्दों का लिंग परिवर्तन नहीं होता |

जैसे – चांसलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजदूत, राज्यपाल, डॉक्टर,इंजीनियर,मैनेजर,डाकिया आदि |

इन शब्दों को उभयलिंगी कहते हैं |

लिंग निर्धारण संबंधी नियम

पुल्लिंग शब्द

- दिनों के नाम – सोमवार, मंगलवार आदि |

- महीनों के नाम – चैत्र, बैसाख, जून आदि | अपवाद – जनवरी, फरवरी, मई, जुलाई (स्त्री)
- रत्नों के नाम – हीरा, मोती, पन्ना आदि |
- द्रव्य पदार्थ के नाम – रक्त, घी, पेट्रोल, डीजल, तेल, पानी आदि |

स्त्रीलिंग शब्द

- लिपियों के नाम – देवनागरी, रोमन आदि |
- नदियों के नाम – गंगा, यमुना आदि |
- भाषाओं के नाम – हिंदी, संस्कृत, अरबी आदि |
- तिथियों के नाम – प्रथमा, द्वितीय आदि |

वचन

संज्ञा के जिस रुप से संख्या का बोध होता है, उसे वचन कहते हैं |

वचनों के दो भेद होते हैं :-

1. **एकवचन –**

संज्ञा के जिस रुप से एक ही वस्तु का बोध हो, उसे एकवचन कहते हैं |

जैसे – बालक, अध्यापक, गाय, नदी, कविता आदि |

नोट- कुछ शब्द एक वचन में ही प्रयुक्त होते हैं

जैसे – जनता, दूध, पानी, वर्षा, सोना, चांदी, लोहा, सूरज, ईश्वर, पृथ्वी, प्रजा, खेल, प्रत्येक, चमेली, गुलाब, कचरा, दहेज, समय, सामान, तेल, इच्छा, संपत्ति, सामग्री आदि |

2. **बहुवचन**

संज्ञा के जिस रुप से एक से अधिक वस्तुओं का बोध हो, उसे बहुवचन कहते हैं |

जैसे – नदियां,गाये,लड़के,कविताएं आदि |
नोट– कुछ शब्द बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं |

जैसे – प्राण, होश, हस्ताक्षर, लोग, बाल, दर्शन, आंसू, होठ, दाम, अक्षत, रोम, नेत्र आदि |